भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 294

गुरूवार, 08 दिसम्बर, 2022/17 अग्रहायण, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

धार्मिक पर्यटन का विकास

294. श्री विक्रमजीत सिंह साहनीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का सिख तीर्थस्थलों को एक साथ जोड़कर धार्मिक पर्यटन को विकसित करने और पर्यटन में वृद्धि करने और उसको बढ़ावा देने के लिए इन तीर्थस्थलों को विकसित करने का विचार करती है; और

(ख) यदि हां, तो वित्तीय परिव्यय और इसकी स्थिति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख) : पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन 1.0 और प्रशाद योजना के तहत सिख तीर्थयात्रा गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए निम्नलिखित परियोजनाओं को स्वीकृत किया गया है :

स्वदेश दर्शन 1.0

i. वर्ष 2018-19 में 94.51 करोड़ रु. की लागत से विरासत परिपथ के तहत परियोजना यथा आनंदपुर साहिब-फतेहगढ़ साहिब-चमकौर साहिब - फिरोजपुर - अमृतसर - खटकर कलान - कलानौर - पटियाला का विकास ।

प्रशाद योजना :

i. वर्ष 2015-16 में 41.54 करोड़ रु. की लागत से पटना साहिब का विकास ।
ii. वर्ष 2019-20 में 49.52 करोड़ रु. की लागत से पंचकुला जिले में नाडा साहिब गुरुद्वारा और माता मंसा देवी मंदिर का विकास ।
iii. वर्ष 2021-22 में 31.57 करोड़ रु. की लागत से प्रशाद योजना तहत रोपड़, पंजाब में चमकौर साहिब का विकास

प्रशाद योजना के तहत पटना साहिब के विकास की परियोजना पूर्ण हो चुकी है । अन्य सभी परियोजनाएं निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं ।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए पंजाब के ''कपूरथला'' और ''अमृतसर'' को भी ''स्वदेश दर्शन 2.0'' के संशोधित संस्करण के तहत गंतव्यों के रूप में चयन किया गया है ।

*****